TECHE
UDINE

MANOSCRITTI

FONDO PRINCIPALE

Manoscritto n. **P_MSS_4337**

Nel Fondo Principale sono confluiti la maggior parte dei lasciti manoscritti pervenuti alla Biblioteca Civica «Vincenzo Joppi» nel corso del tempo: si tratta perciò di un fondo composito nel quale è possibile trovare manoscritti di argomento liturgico, scientifico, giuridico, botanico e altro.

Collocazione:

Biblioteca Civica "Vincenzo Joppi", Udine
https://www.techeudine.it/fondo-principale
https://www.sbhu.it/

ार्दप॥ पूलमीसु गणहरगोयम सरा आसमरीयसरकति सामलपायारयलीलो जनदोषविचारको
लसूतेसासलोउदार॥५॥ इहजमनिव…जुगतिमाणमवोरा केसी ठ विगताप्रतदिवसजोचरतो
रहा ओरतिनी रमीकेहिनविजसारदीहतणा जेपुरखवि च्यारा धमप किननहिअसार तिहगोजेम
कासरूपा माणसफोरिरादोसरूपा …माहियलगाता जाणजोवेश्याणमवेदपुराणा तिहमांहि
मोटा ढंढोसा तोनीमी सेलनकेहोपोसा धागंगा जेफुनावजुणसरी। नदिनरवदागा दावयू। साताने
मीतो दासामी। प्यापमहियजमा मना मधा मिश्रा विपुरावति। सीधनदिनसाबरमति। कावेरी
सरसतिनमहि एफविजेगा टिकुदि।९। स्तुरजदेवन्त्रसूलीजालायफुविरसमोनिहनेजिलध्यायस्म
नायतबो जेएसाब। तोहू कोईतरकघाले आप॥७॥ रविमिल…स्तीवलमाला। अंधकारपुरहयिगम्मा
फल। स्मामाशिभ्यंननविहरोकोम। एस्क्षप्रथविमासजोय।८। कल्लन पुण्यकादेसी। इहराजागरण
करउजमूमी। चिजायुगतप पुत्रजो आषपटपासव… पात्र।९। जइसा तोड तेरयलीजिस॥ से
फलपावते वलिकिम पूरविलोकी …प्रमाण। १०। वो लेएहविजुगतिप्रमाण।११। रातिनिसवाने
हिबुधरा मिसंता नूनमाम…म। रातिपीतरपोह नविजेहा। रातिपदल कोनविकहे।११। सतिसोफ
लपामहाना। त्तिदेवनपूजामंता। रातिनविजउ यवोमांगा। तोकिमरातिंनेजनला गा।१२।प्रतिबुद्ध 1
नवलिसालनौ। हियइमध्यो णो कोस्थामलो। जाण्योकरीसीमकस्या पलो। पलीनइ योगे मोसणा॥१३॥

षा॰मो
१

वलिनिमनोजेनफलवइमकदेडाकहेडतिकिसवआविलहेडास्वांनसुअरविलाफाकाम
कामगोरानिविछिनागाथ्या॥मामीमहिनजिमायजेम्नातानतमोनतसुथायवमना।किंजीसति
तमकिंसोतिमावंछ्यानुभवावाहिनमा॥५॥हुंआवजोजिमगमाहि।वधईअनाधरनोतिलियात
कलियानेमोदिषाफकोढाएथवगुणदेषीतापाल॥६॥बीछिआविणोसफकपानानावविणप्र
पयवोवाना।काटविधायतासुया।तीलनीछलोजनविपाछआ॥७॥पंषिनानजोवतमनलि।रव
णीचुलिनकरकेनलिाचिमचासमरसमार।तोमीमांलसथायधार॥८॥इहवानननविकय
अन्यथा।नेवपसासलनयोकथा।कवदेशोधमरापुरवोमाअमरसेनराजाअमिरामा॥९॥राण
पंनेसाघरमनि।सुषविलसदिनरदीपुतिल्मायुवंततेपुरविपाल।राजकरवैनेअसरान
२०॥जिमचेदमाअसकलंक।रायनिमनिममा।टोवेकाजेमंदिरमविवइसंततानइण्ट
वीपूरवोबुधनीरान॥२१॥इहा॥अन्यदिवसपरदेसपी।आवोनलोभरंगा।सामिहोवलसे
णा।सहिनजिरणारासअलेगा॥२२॥नडकनोकंपसवल।कोमलनाकेछुता।पवसम
समककवलमुहाचरणअंगमयवेआ॥२३॥दषीनरपतिफेरवा।मंकावषीलपाग।पावइसो
राजेचपनपूणा।वंपाकानिवाग॥२४॥जिमरतीणवागनपातोमस्वायपूराया॥वेकपाए
वइंतेमाषन्या।घणीभूमीतेजायसपा।अटविमांदिनईरसो॥अम्मनदिनकेलोडा

नपाईनतरानरवरनरवलिमूलाा॥२५॥अमसरीतास्तलिनरपतिवोरहणोयलेजिमले
रंविआभाउगूरूपएकनीर।अपाविअमरीतांमा॥२६॥वोनवानीवोलमपजी॥वलवं
नजंअवधारा।कंपानालनीवासनाजिानामनागजमारा।नंरसरा॥२८॥सुजनालिनशुणीवि
नतीलिारमाईहांवनचामास्योजोवनजेसाहजोत्रि।अलुंजम्हारीहा।सुनरेसम॥२९॥मानव
सेवफलनसोगविजिाकीजसोगविलामपुरवेगुन्यकरीमा।स्पजिापुरामाहरीआसनेउम
छदेदेषामाहरहीयजि।अधिकजगावत्मामामम॥वषोस्मानतिजिराजनराषोमांमानव
॥३०॥समकतअविंतीमुंकत्हजिाअवपनअमरीकूपाहेजरसीआवोईहांजिाकरसवारथनु
पा॥३१॥ [illegible] ॥ककरसुकरेजिामाहरोजिासुंनेहनंवरदेलाकुछिदेदीह
नीजिामोनानीमोगुमाना॥३२॥इमतेवलिजिसा दिथजिाटषोदिषापोछेहा।घणुकिसुंउम
विनसुंजिासनावोनरवरनेहाम॥३३॥धारायचकहदविसुणोरा।कहिकिसीयरुहामाहजंमाने
वडंदेवनाजिसूतमालेविकिणापाकालअ॥३४॥पाधूलाहरविमचानररा।किमपवविकरगोश्रराम
रूनवायकुंपियरे।राशिननिकरजीमाराजनवे॥३५॥समदनिरलापनहिरे।धरणीनाथसम
गंमाहलवीवरमनलवहरे॥जिमअस्तनरूपरेमानि॥३६॥राजवनमायीहरकहीरा।पनातणोरथना
ना।करोअमपाईवीसीपवेरो।मायमकंबोपाला॥३७॥रसीवचनरुविसुरीराबोन्यानपच्छ
टवंधामिसवजनोसनमुणोबोनोसकअवेधा॥३८॥धामनरवीरणीवीरवजिापनेश्रीलउमा 2

सप्तिनो
...२

णा॥ ४६ नररतं माता पिता जि जेहनोंडं संतान॥ ४७ नरेश॥ ईसीउ कहिवं धनथकिरे॥ बौ म नागकुमार॥ क
रज्यो मन इं विनव पदी ंथकीने बरसामा॥ ४८॥ परायसण घर अम्हतणा जि॥ नेहि अपुरति आजे॥ ते
वलिक ह्यो सो मांगीय जि॥ रमीपुरी साजन॥ ४९॥ धरा आपय हमंमदेवता जि॥ मांगन रवर पुन्न॥ साध
जिव तणांलङ जि॥ ड ईयरह्यो वि जिनंचन॥ ५०॥ सुअअस्य ते हो ईजी॥ लाहि मसा षमदेवा॥ पणकर
स्पद कहनवलि जि॥ नो विण मुखदंजी बानमा॥ ५१॥ इमसुवर रहेई गयोरा॥ अस्थिसोथिंतवि॥ निरख
रखो हवी समनी पारो पणी मनरंजिउ रुवान॥ ५२॥ धुपा॥ चीपडई॥ तिस तणी तरु वरचं मकता॥ मालबयम
बोलन सला॥ चिमाक स्त मुणी रेची मीरुम रस्यि रहि॥ एक घमी॥ ५३॥ कि जोउ रंबके जा कामाची
नीक हनं निश्च णो स्वाम॥ उम्या॥ विश्वता रह संघाते॥ एक लमान विजाय माना॥ ५४॥ उ रिपुरुषई बार
राय॥ निहोजल तिहां रोपा पाय॥ मरई णीयाक किम एकलो रहवाय मायेओ ल्ला॥ ५५॥ चिमो कह
रवणा आवे मा॥ की सो कदाच होउं कोले सा॥ स्त्रिनो वम्हबा ले बंधपापा नांवु तो एहज समयया॥
॥ ५६॥ कहस्य पे षिस्पा समएह॥ पुरुष तणाजे योम नेह॥ परनषउं मकपटनो गेह॥ पाप करनदिष
मवह॥ ५७॥ पुरुष तणां मन अथिर कठोर॥ कीय कर्मजं गाढा घोर॥ पंमीतनारी अबला कहि तेह
तणी जाणो बुनहि॥ ५८॥ पंषी लणजावा दाविमई॥ चिंकित कृरह्ते सो नलतिम॥ रयुणी सो जनपापन
गहा॥ तोनी श्वउजाना लहा॥ ५९॥ ढंकि कोन लए विमकलो॥ हहे समनकरललो॥ जइं पणको ज
किमरहवाया पणइं एयातकम इंगलिवाय॥ ६०॥ नावरी न हिंजाउ लीउ आज॥ श्चणीनाल एह ॥ २

४

लि॥ नरराजा॥ चीतनी श्री तो जननो व्यापाजे चिमक लोनआलपाप॥ ६१॥ मनकउं मोटो संदेह॥ कुणआगलसंज
स्पएह॥ इस्यं कहिन चलाउरंग॥ जातत कोन नवन॥ ६२॥ पथा तीसइं लेतानरू षनिचाल॥ जतिएक दिनो तु पाल
विण इं अश्व पथकि जनर॥ मुनी वरवर णनमी अनुसरा॥ ६३॥ करजोडीन पूछइ स्युं॥ रयणीतो जनपात कनि
स्युं॥ एस्युं तिसं जो सगव॥ ६४॥ करुणा आणी कहइ ते रता॥ ६५॥ मुनीवरतणा सुणानरसा॥ किम कहवा य दोष
इम सेसा आकषी जावरस अससुणी तो बोलतीन आव संघ॥ ६६॥ पणमोटी अव गुण संसलो॥ जिमनभी
लोजनकरतां हलो जीव हणमले हिनलाति पापइं कसरमो षवायणा॥ ६७॥ एकोतरमी लवसरसो षाए
कुइ दवदीधनें दोष॥ अमठोतरमी सवद वेदइ॥ एकउवाणी उपातनकलेह॥ ६८॥ पूछइ स्युं पउवाणी जोकि
सां जोरनां पान कुबोल्या ईसा॥ साधुसणइं सेलनपवलि साषमीण मधुसउ अंगु लि॥ ६९॥ जो रहद
मरी सोवनना गा॥ तेरहतणां नविधरी चो नाग॥ एनाणिजसववसो चउआजो॥ पातक एकइं कमउआ॥ ७०॥
आतएक वनमो जनमा॥ एकपरस्त्रीतणोंक कर्म॥ नवांणुं सो सवपरनारी॥ एकनी रात्री सो जनदोष विचार
॥ ७१॥ वसु॥ एमनी सुणी रायराषी पामई॥ प्राणमीगा हा बिहतो॥ अमर से नतवक रइ घरह री॥ एकवार
नीवाँ लोजनई बकुन दोषबोल्या ईसी पर॥ तो प्रणवु प्रुनइंनीय मनइं जोणो तिगरण श्रद्ध॥ हवेइं रयणी
लोजनत णो अवधारण बुद्धी॥ ७२॥ वलियपरबरसु पअमणगार॥ चिमाघिते किम नहई॥ करसाधु
इणवन जिणे सम॥ सपोमस रूपास्मीकथपकां तामस्वा मी पूछत गणहर॥ नीवाँ सीज नअवगुणल एइं॥
सर्वसरा बीला षा॥ जिणी कहतां तिह संललि पंषी तमसार सा षा॥ ७३॥ ७४॥ नरपति पूछतें चिमो॥ परल
विकहि अवतार॥ मुनिजं पई जेपंषीया॥ तेजकघरीकुमार॥ ७५॥ चीमजिवतें अंअपरनइं॥ होस्पसहिक
लचाई मसुपतिसंदेह सवि॥ लांजिकउ पवित्र॥ ७६॥ ॥ रागा॥ ढाल॥ ही वपावली हय वरहस्यो॥ पुरना ३

राजसौ
५०२

यकजोंणी॥ पूठियथोचतुरंगसेन॥ मनचिंता आणी॥ बयवोदिठो रायसाधुपांमी यवनसी नरानवमुनिपण
मी सपरिवार॥ आविउं नीजमंदिरी॥ ६९॥ राणीआगलपुत्रवात॥ सविस्तपतिसाथ॥ तेनी सुणी बकरु रषचिंता॥ सामल
मदभार॥ तिलोअन राजलोक॥ करतो सविटालाधरमधुरीधर धीरवीर॥ नीजकल अजू आज॥ ७०॥ इकदिन सुमि
नकिलयथ सनारानी नीझरेप॥ सीधारघरथापी थोए ऊंचो न विलेषा॥ रयपतिजइ चिनवण॥ कनयं सममाण॥ सु
तहां म्पनरवरकहेसुंदरइ मजांण॥ ७१॥ तेहजदिन आनुक्रमवधण॥ गरसी मस्वामा॥ तीमरराजानइ लहइ
जिपीसामाम॥ सबलसेनपुरगामदेश॥ बाधलंमारा॥ पूरशदिन सबमकरगतेपण्याजनमकमार॥ ७२॥ तबतेनव
नरपतिरचण॥ तौकिलपरा कहिया॥ नगरवधकावानणी विगति॥ वीस्तर नविलहिया॥ सुहिणांनइ अनुसारनो
मदिक्षी॥ जयसेन॥ रूपकलानेगुणते जिवि मननविदिसदी॥ ७३॥ एकदिन ते आइतविण॥ सहिजि कहिय
तणीए॥ पूरवलवबात॥ मूलीआ विकुअरनइ॥ नीयनयणल मांगी पछिअचेनो बिगबंमी॥ कायासंकी
॥ ७४॥ आकेलव्याकलनरायवायनेजनवल्लभी॥ थाम्हज पअमतातपूरवलव दीगोरयणी॥ नायणादी
षदेषी॥ नीयमइत्तेवा॥ कमरयोवनवंरवरी॥ योएअंग॥ इक मालाथ॥ दुहा॥ हवनीसुणो जिनपरीम
न॥ पूरवलवनी नार॥ संषेपकरी ऊंकऊं॥ अचरजइण संसार॥ ७५॥ ॥ आगदेसअवंतीअकमाल
गीतवाजा॥ कजदेसकमलापुरी॥ सोहइजिमअलिनवसुरपुरी॥ बलतइनरपतिराजियो॥ बकलमा
वायगाजियो॥ ७६॥ पटराणीनसुसमुलसुंदरी॥ जइसे नातेहनइकअरी॥ ७७॥ सवनारीगुणसीषविण
ईरूपरता॥ अलिनवि॥ ७८॥ घरंभाषीयषेलसदा॥ नीएबयवादिठीएकदा॥ मालो करी बगा चिकक
लो॥ मनीरंगीरमतीएकजी॥ ७९॥ तवईहापोहकरीपम॥ पइंलसवर्कतिचिमकमा॥ नीवीसोजनपा
३

तकएरीहरी॥ रायनघरकइनीकेंअरी॥ ८०॥ हवसुरुकलोपविजोमी॥ लासदिविबोहतभपटाईमआ
रतिसुकथ्यासरी॥ नचिषलबोलसुंदरी॥ ८१॥ नतिअत्रअला वकरी जिमानविनीदयहरयणीसमानव
सषियपूतेहामोरमावरचिंता तमुमननचिवमा॥ ८२॥ तएकदिवसपहेलमी॥ नाहरमनकंणचिंतापमी
जेसुनमनफीरतिरहा॥ तोप्रीतीथरोजो अम्हकहा॥ ८३॥ नवसावसषिआनलकह्या॥ मेपूरवलवरणीप
रलह्यो॥ पलपषिनिवजोभमटापरलोवरतेजहकिमुकघटा॥ ८४॥ नपबीजावरनदेस्यातेसषीयकाती
किमहास्यामनतेरसणीस्पारतिबणणसषी॥ उतरआप वसुणी॥ ८५॥ वापई॥ सांसलजयसेना रिकवा
ता॥ कांइचिंतासंतापधीना॥ कीसोअपंचभरीनलनो॥ कालविलबलाकरीकेतेलो॥ ८६॥ करहकें अरीनेनि
सो॥ प्रपंचोजेहपषिप्यायमुलसंच॥ सपीसणीकोरदोहिलोकम॥ तेहनोयसोपतम्पा॥ आज॥ ८७॥ इणी
वातजयसेनारसी॥ सषीप्रतिन्याकोजेकासी॥ तेजेपषुरीपहजिएकजेबोलकजकपरसनवेक॥ ८८॥ विनिषु
रीपहविमनकलि॥ रूपअदषिकरजेवनि॥ नीजिमादिनणइउरंगमयमीआनंदपाउंगी॥ ८९॥ चउथिकल
मूचहजलणहांकोलबंधिजेसणी॥ रमीस्पईसीप्रतिन्याच्यार॥ नेहनोपाणीग्रहणविचार॥ ९०॥ तलइरहो
एहविसुधरणी॥ बातहोसामनजकिरिमहरषेजअसेन॥ लाणइ॥ घइयकाजचतिआपापण॥ ९१॥ तेकसरुआ
जोचरायरष॥ नवदिकमारानवयोवनवीनासमाषावर्षकणपरहोमानेपुरुतोमुहबोलईसो॥ ९२॥ जोमनमा
मतावलीटवातोसंवरमदावनादेतकमरावरईनाहवर॥ आपणपाकिहोसजतेर॥ ९३॥ तानकहिमसं
तातइवात॥ चिकअधपुरी॥ नीहरीआमाइलपवाविदहदिह्रीदेमीनेकाम्याजेमानामरम॥ ९४॥ गुजरगाम
चोमसोरशासवाजोषमाममरहटाऊंकेकणजाटपाटकलाटा॥ मदपाटजंलालनेराट॥ ९५॥ चजिके

4

णा वर्यं चालति तंग । जंगल ऋां ग संवगृकी गिंगा मंदनी वेदनी कीरा कोमल मगध सी धुरो विचार । पामारु मंडल
मिहलकूरदे मा वकू लूदमार एण व्यानी वेसा । जेण्विण हरमन्ते हिंगुलाज । आवत्रिबुधदे मनोराजसदा । नृपदेस
पणपुकतोइ ल्यातिम वोलो सवरनो सूता । अमर सेन राजोज ययसे ना । पुत्र सहित चाली बक्त सेना । कृष्ण विछि
न्तेत दयेत पीया । आ याक मल सरी व्य हिवी मावी ज्ञाप णप कता सुपाल । नइय मन णावज ला नत काल ।
पुरपरमाने ल्पारव । बल लद्यगति सुगति मांच वादरी वानो दिन आवज्ञामा वयवाके लिकरतेता मा ।
वनहिं रम इन्ते यसनकमारा । गुदरी पानी कुण कं अपार । सन्या मी ति हो बगावी रादी गो बी टिचर मारी ।
कदान पलव यण अंदे तेव क हो च नलो वादे त । पग बाटा ने मो या कांनु । मयर कुष्ट पल सावधान । पय पा
मी पुकंडं नपपुत्रा दीसव न्हए की सी चरी वेति णीवा लीसुणी अलि नावीते रूचमें उ दवं फरवि । पयो अमरह
रूपते नेमाकू अरह मनी अवरज अ सिरेमा की हाथ म्या सीप ते तन कोमा इदती नकड जा ला । वाय
वो तो मरूप सा लुविमक रथ झुल कुपा उणविम्मा वनसर नरदिस देहा पद मा मन पूरी या ते ह । अर
पलल र कुण अचरी ऊ । नेवी लकसीहन रासु यण एकको तगदि षादो । चरण तेम वला वकरी । उअ विलसे
देहपहो । कत्त कुरूप कसतिध्य को । अहरी कुरणअला तिा सहज रूप कृय में रहता । चरम सी छ्न्न ता । इ
हा । चरम तणे मा हिमा अ ला उ वो करी वमा । उतार जिम च्या वियो । संध्या कइंतां मा । तो चन्दियं
नीर वि जन वे जापइया । बलिय कं अरवन मांहि । आ वि यो नि ली पान क जिस्या । देषत कर बाह । सी कंकाव
तंतण करीया । वंधि तन कंअरता लि । अगनि कुनी चा । लिपुण उ । बलतो कोजा । तेह सीरुपा स
रहियो । कर तो अतिआ रंता क रूकमरअनु णकिसुण । मनी धरने सारन । सी ह सजीय विद्या गुण
या । अमार सो ज्ञाप । सी क व यस मांहसी या । तो गय णहिं गति ष्पा य । पाउ इं रट तं व ण तिहांए । तो पन

रगति प्या या जो न विडपत्र इं ण तेतं उ सी धकला या । पवसदा नं नत वला या पाट हिं दोल ञा णा । संकमकू
यवसता ए । तेउ सी द ई म ञणी । बी हतो अंद बलपा जो न विविह किमुं । तेउ सी ध मयर गति या । विकं मो
हिई ई कुने मा । पणहो स्यजन सविधइ या सामग्री एक को । मंत्र तणां पदक चरा । उणा ते ह लणी मनमी
कू ॥ ऊ परकर विद्या लाप । उिणी आवति णी मोमा । अ अ मा ति पद अउ सारणी या चाजि आप
सु षीहा । वाल ॥ गनजा वामी दया करा । उं गुरु समव मो हो । साधु पुरष ई मविनविम
त्रिपदे नवमो या । पा सोई मंत्र ई म सा स जि । पद पूरी यो तें तं मा । साधु पुरुष दरषो व रषो रहिया । तव वो
लकरा पूणोमा । ऊ यर सजन सा हि मए । परा ते पगारा रस ला ल मी जो दम्ह नइ इहा । वीद्याधरीय
पसा । चरम अपूरव पटूहियो । करो ऋं सलअप्सा बी च्या पण सा लाई हो । सो धषा मन
मनूपणे ई सी कस्या न्पने दनतु । जं णी चरम पटान ई मवलणे । आवे मा स मन आणी
रसम । पह नोग कुसा ष । उपरेसा मग्री ने मोदि कूपण पर्व सा धवा । कर उ लगइ ए के लित । के लिक
रं कूप इ इ । सा व लण उ लो सा नूहा ता न तामा । धि यो । लाउ जी आ कास । सो । सी षई विद्या गुणी
सा कवय वो सी ध । तेतण नू ह सा दसा गयण न ण गति लि ध । ना धिगति आ का सा नि दिष कै
अररहे वा । मंत्र गुणी सी धीत णी हय बय वो तत षेवा । नणए कर रट कयन हिं । चिंत मं त्र प्रमाण
तो उ सारू कुन्त सहि पण नगरा विलाण । गयण तणी गति नि वि थ ई । पह जसु प्रमाण । यहि चरम तिह
आ वियो । अ परजि हि आहिसा णा । चरमर ल्हा सा ति जा के हो ते कुना रामां हि । ना स्वतीं इं
ईरसा । पूरा मन उ आहा । मनउ आ हि उजए । अपूरव आ पा अन ण ह रम ना हो

रत्नसिरी
रा० ५

रयणजव भियोहाथिारघो यई॥ सूतोसतजागम्तुपाजासुणीबोजतानांमसीमालादेवतणईवरथाविवा
चा। आमगपा। लोगबतेसाना। २७॥ भगरथजाईयापनूरविलेबतोषाईयाईमसीयाजनोबाबिबोजाइपमनी
गमीघदयानीटोलारा। कंन्यारजगावाकूरअडेगाकोनरआकदवबडमेलालीजईमलकालाजिलबांमबा
लतेसीयाला। पुत्रवचननिविलोपावायाजेतलेतिहिजईकलआपतेनलादेषनरटलवजासीराजेव
नाकिमइलुवितलाकुणबालाव्योडकणहोदिण। पभिमेघोकमांहिकिमषी॥ णघरहरसादकरनीरक्षाराकप
मदेसीलुंकेलार। ८१॥ ऊंजोगीनीसगतोसदा॥ मारुरघरकंतिसपदा॥ अनतोरुमजोगाधरपन्ना॥ मइंपणभूगे
तिहेनोपत्रावालीनवदरसणकतसंकहुआसनपूराघरबईबाअहोपुजापतिकौतिकअतिगएका कइने
एरंजवअनेका। ८३॥ घरघोरोमाटिनोकरी। पांचेवियमंत्रीमंनरी। तेचालपाईसअवनाताअपवा।क
परमुंकलारा। ८४॥ इणपरीकहिमंतोपदसीजेतमारुरमनगाढोवस्या। मंत्रबलनालवाक्तनदिषतामा
हिनोषरगजदषना। ८५॥ मरुमांजेकमांहिविस्तरीजोगीसीषचलीजई रह्यो। कुंपणतिहेनोपूवदू
८६॥ बमासत्तोमजोगीमीलो। वलिमंत्रसूधोअरक। जोगनागीकपाबोचल्यो। नीऊघरनणोघणो
मनफल्यो। ८७॥ कालिपकुंताईणपुरी। परणाईराजानीकुंअरी। आव्यानरपतिगुणआगलो। जाणावा
षोतहनीकलना। ८८॥ मानिषिणनाकेविथोमाता। अम्हघरकिंधीपरलाताविलिआव्योमाहिनकाजाउवि
बोनीपरोईमनलाजि। ८९॥ मर्वमीमुंकआव्योघायानीवलोनहिमदियोनोयाजेत्या। बोमाहरा
वारा॥ मेत्रदीयोसलाजेईलीपवरी। ९०॥ मंत्रकरोध्यानकुंआरीजअरकजेदेषअमहिनाणा। अ
गनीकिशी९पासईजाया। ९१॥ पघोउपचवा। ९२॥ सीतवकरोडेरगमामीधाजोंणामनवभित्तसविसीधा। ५

सतआम्योबोलनतापाणीइकीधोतेनरघाला। ९३॥ आघोकिसोनसलज्योसेहापीताउआजईआ
तोबिउपोलपुन्यआवजेहवोमनवंछितमीकतेहेनां। ९४॥ प्रहवीहसीसइवाआउरापयोव
लातनइभोसुरा। कमलापुरसीगारसमका। रायलइवेलमनोरथबकु। ९५॥ संयवरनोमंड
पविन्याएा॥ मंदव्योमाटमेलाण। सीहासणउपरबयसणां। तीहाचेस्वावनरवरतणा
९६॥ पाचवकिवदेमांध्योजुजुआ। उपरपटकुलचंदुआ। हेमालगपरीयंडिचित्रपासाधु
पीअगरसिजाषलूवासा। ९७॥ तेराववुईसारुपारायावीजणमेतिहांबीजेवा थाआगरवे
यहीबीरदावली। बोलवदणीमांलगतिमीलि। ९८॥ हवइबोलेवकविताम्हरीजयसेनअस
षीपपरवरी। नप्रगाणआणमनमासरुं। विणपायामेहदेहरु। ९९॥ मकरतोकहउ
हेमाहावीअंगफरुकतासामुहविरस्योनबोलिसमषि। बोईजेतो उऊलमुषी। १००॥ स
हिडफनूइवरमीलस्पईहा। घणारायबुयतावइंडिहां। जयसेनाजपकणकुस्या। चार
अतिन्याजेपूरस्या। १०१॥ सषीकहविधमलणहार। मरुपाकेजाज्येईकवार। इमकरतो
तेणविथमाया। पोठिकाजेअवेखुपाया। १०२॥ पवइकुंअरीरमायआदेरपाबाद
नेचेचनकगतिअगी। ऊणवीरविनलिपरी। समुकरुतवलापईकरायमोलझुं
गारसुंदरी। तेतणसणहिमोलमो। वरमाआलेईहापाआविवरमंदपसए। घी 6

॥ताश्वोहा ॥६॥

नारी बसा थया पर ॥ दूहा ॥ प्री खुहे घर ग्या वर साथा लनी रषे चिंतवे। गज गमी नी नी खुल गे लो। श्रु
रत्तो कुनी सुरसुंदरी ॥ ई णी भे त्स्हेरे तिरं नारे तिकि। राजन रूपर पया। मन मे हियामा नती श्र्यपे
रागा कि। चिषरे सो लागी। रामरूप रंजिया। पवाडु पदा। फगम ग कुवर कुम णा। फल के तिसु गा लि
षट के तिषट रषंट लोएस्यो। श्र्या वीर ई हाँवा ति कि। रागं पाना। नीमृत गदं तकु जिस्यो। श्यारो गति
तंबो ला षी एम्या हियु सी उस हजे हसा। होसमी सतीरा। विह संत कपोल। कि। पयात पपडं नयनत
णी एरी। नील वढि टि वुं तेजा। कस मसवू सली हिंकचु अ नवलोचन रेसो बाजी म हजे कि। राजक
॥ दूहा ॥ करकं नकं चक लास लो। श्र्यति सलो सबल सुप। नामन हे रहार हीया। तणा न विके
हिप रेश्र्यंग ग्र्यत हीन कि। राजन पउ बयसता बा हु बरषा। चिम। कति चुडी चाक। तव बलि
श्र्यकुश्र्य जुपुम्हरि लेश्र्य। धिकोश्र्यंग कार कि। पनर णकं तिर णरण नेउरी। घूघरी व मर
कंती। पहाविप उत्तलि। दामोमी चूनर जोर रुपरी उपंति कि। [illegible]॥

६

॥ ब कुलम हिसा विहिना लव्या। लाति नीलू मरुपिा सविचित्र श्र्या लेष्प जिस्या। चीतवत रेतचउर
सरूप कि। राजन दूहा जमदी सह स कि सी परि इा णली पजीवी नारी। तइ लग नलो लो लोलव्या। इ
णि श्रुरथ इरेसग लोससा थि कि। राजन एजे हनइ घरि श्र्याविस्पु इात ह स्पउं जिता हरउगुम पेरिदे
वबी जेबाप हे। स्पुकी धउरे उत्तसा। पिइरुजुरु कि राजन दूहा ॥ सरिज्य उकापा लि इपामी यइ। लाहे
रउकिस उएदी सा। दीधउ जिला लइ श्र्याप णाउ सिउकी जइ रा कुमउसी सा। राजन दूहा ॥ दुहा ॥ इमरा
जानइ जोबूता। ठिम लिरि कि म इन वि हो इा मेलउ उत उसरिजिउ कु स्पध नपरणा निवीरइ की ॥ दूहा ॥
प्रती तो रीहि ववस्मवि। कांबइग नामा विरग मतउ बाइ ब्रग हि श्र्य इनि होल उ श्र्याम ॥ दूहा ॥ चंइा
तउ चा कु श्र्या णा णा पालू णा पमारा। तसहे सउ सी उदि पा। एपरव तपहे बीर दूहा ॥ राव उमरणा
सी होबे इणा लो लिकचंइ व बंसा। सखरा यरा मार व लउ गाएसी घरसी वजबंसा। दूहा ॥ सोनकी
सामे ल सबला एया देवे जप वाले। गंग धरगु हि लउ नए। मकवा णा उमहे बा लाइ दूहा ॥ एजाल उरुप
राज रपति। वाधे लउ व णा वीरा। देव चंद ह्री सइ हेलि उ। हो मउ णम हीर दूहा ॥ देवराज। देव
उ एा बछउ वा हडदेवा। तलव वहे लउ वा नती। सोनगी रउस हदेवा। उदूहा ॥ श्र्यमर सेन पश्र्या सके
गाव बदे सश्रंगार। जपत तउ जे पध सेन। सुतलो गी लमर कु मारा ॥ ९ ॥ इम बोली लिस
ली। नवी मान इ तस चित हसर वीसा नि से लारति। श्र्यारि पत न्या वेता ॥ ९२ ॥ कही हे पीयार।
त जउ रमिल्या ने ला। सुपाला इसी मतन्या प्रसि सइ। तिम हिस्पड [illegible] कारि धरइ। लमनइक

2

॥८

...नुगुं मनीनीगुलगे लोसु
लो दिसपुश कहि स्पु पुरख उन्म तंत तण होमो लइ चदरा रूप फेर प... या मानमी अप
आइ मनि सु लो स विराम। कुआ सी पद इ वि नाया। इ कइ कसि उइ मतप ई। व हेउ स्मा। लि
एवु मालुप बोलावी। बेटी इसी ता सी बाबी। मानमु हत सविधोय उ। परुमर पुरुउ विगो पउ।७४।
वेते जय सेन कुमार। हर षिउ अंग अपार। कला सकुल मइ स्वामी। ध्या पुउ परत वि स्वामी।७७।
उ विनि से चल जाए। जिनि टिचि तनमात। जतति उढ़ि उ चरम। जा हाइ को इनमरम।७८। स
पथ की ते अपनी घउ। घोदइ मोटी नइ वंदा पउ। सइ बरि जतउ आबु। सतास कुपतिता
वी।७९॥ तो प अ नइपगग ली या॥ वारि हिरदत्त कलिया। जामु पेट श्री को सो। राग व सइज स
रस॥८०॥ वांस इ बांधा श्रं दुबा। एहव इसपि अनेरु। घोम उ मदपिफेरा॥८१॥ कउ विग मनि नस
लोक सकु सुविधा इ। वोनि इ जतरि नोच इ। जेय हो मोल इ रो चइ॥८२॥ तत इ कन विबु टइ।
स कल जिमन वितट इ। लो क कहि इस्यु उरे देखि दा। मा हेरू दु बंद विरद ८३। विमा सल उतव
साधी इति। सविढा जम इला इ। घो। तिरिखा कुंसो चिंव इजाता पुरब सवअरहि नात॥८४॥ कु
मरी जिम सुतप उसदा। लागउ हो यदान उ चव। सखी एपरत वे कंता। करमि त्पु उ उरेस॥८५॥ तेक
ह इ इता इस्पउ की अ इ के हइ सुगुणवती ज इ। हो सारथ बंधु घा इ। जनमु कुंसी परी जाय इ॥८६॥
एवमउ अभि उ विहवंदा। चेम स्यु इ कुलि हिं कलजी वनजी। ववि गासइ। रिजंद मुउ कर इहो
सइ॥८७॥ जतरदाय इजु यसनी। वो तिम वो लउ हो नो। जेन जेव चन गोमा मइ। तेस वंदे मेदि

गसाफ इ॥८८॥ नि सुमा हरीत्र ति न्या। कहइ सी यदि कन्या भवदग लइ करमा लाएहि मय वृ सु
विशाला॥८९॥ चउपोई॥ कोरपि इव वष्पर हर इ॥ लागउ सयवर नउ रबर। एक हइ मा इपि ज
एक वार प्या व उ हो भिंता॥९०॥ ऊड उ के हउ आता उ रा सा। बाप वति इस्पउ ढ़ी जे इ सं। जउ पुर दो
षथा य एइ बोलाप लो इति या कुदा तउ वर माल॥९१॥ रि हुवद नालो गुं का फेी कंट जी वष
कउ मम हु रिकी सिल इल जान लाहो रो या। परि रिहउ मार इ तुव इस्पा प॥९२॥ किसी परिया
लउ राजा। नथी इसि उक हत उम्हला जा। हासउ हस इमस इतेहो गादुब द एउ ते अढ इमावा॥
९३॥ ऊहो रावक सारी सिली। को जीर को सी सुबली। न कटी अन इसि लेष प्रषो ढा इरु कान
को दान इको ढ॥९४॥ रूप एह न उ उढि उ चरम। कुद उजी स इलाष इमरम वशि विगा सु उरे उ छिर
दास सवक अ मामा रता ना सा॥९५॥ माढ़ी न उ घोद उ ते चंति मटि उ सेवक सि उ अस कर पाते व कुम्या
तेना गाजा इ। नागा लाग। वाकर पा यश टी। कुहा गा ऊर धी इवसी। धन लड हो सुइ कहे इ मुर विते
सी। इति वचनि गा ढातुफ मो सुलट सहित आवा तड चनी॥९६॥ रहि मइ हिन श्रु वस रिते
ऊलार। सरी कु उचितर आ तार। पुरब सा निधि आम्य उ तिहि राखि तह नउ अनु इ ति हो॥९७॥
वृत स सय पर अधिहि उ कु मर॥ लागउ करि याते हस्पउ वधर सी ति अन र पाषर व लिवह इ ते ८
उ ते हा रकिसी परी लह इ॥९८॥ आ अति हो पा लीसुवार। सब का वइ पू ... ही हपधारे।
पकज बोल इअ णीरा कुते। एक सा सा रमि सम रइ पकी ति॥९९॥ कसकनी के सो करि धरइ। लकन इक

विरसाकूरफुम्हइ। इकसीं जसीस्यउं सेधइ बाला। धउ धरी टमकावइ घुला।।(stain)पकसुलट आं कइ आं
डमंउ। जे तालाइ वयरी वां ऊन्हउ। ए कपट पटिरि हीलक लेउ। कसमाकसी जे अहालि ललेउ।।२।। इसी
परिइ सामहि यासुरा। वाजइ बइ यहिलायउ रि। वर मद्दप ऊजेब इगामा। रिसा मउपबोलाणानाम।।३
वितरतणाइ सधायतस्पाइ। नरवर नासचि आयुध हणइ। आ व्यउ पविाकान्मानउ पताराकक
२णब इदेवता।।(stain)क इ विद्याधर बावनवीर कइबइ सुधउसा धि धीर। कोपालुपप्यालि
ला दो हि। अमरसेनराजीपरिणामालि।।(stain) बापरव दतउ दाढउ रजेस इ। चरम कतारामिलउलि
सइ। ऊंउ तेजपसेनकुमार। रे आरायरुप तापरिवरा।।(stain) अ हो ऊमार एसिउ साहसी।। इसी
कला किहि आवी वसी। अणाजाणा इस्तो सिउ आरंभ। मरिमि उसे नइ षमिवउ दंभ।।(stain)।तातत रा
इसुत लागी पाय। सामइ अवगुण मनि धिवा मा ते आलिंग न आपा कहेइ विया इस रकिसा
म रिलहइ (stain)उ तिसडू कहिउ दूदे ता हरषिउ ता तसु तीणु एवंन। सिवमद इ विस्तरवका
ड। लगन दिव सिव लिन इनस्नाहे (stain)।। लसमा उदिन आवीय तेउ बडु
नगति हाम मद वियउण। वेरग इवरग इवरबइसारी पउण। अतिरतोकरिसिंगारी वउण।।
(stain)।। चामर बवरवि कोरिसी पइण। सजनन स निचित अलासी पुइण। पडु हेउ तोरण बारण।
काजइ तिऊ मंगलवारु।।(stain)।। लामी हिन इनरषता पवरनइ ते आवउ निरमती प। पुरबसव

गउन ऊणरति तिणि कारणि।। आपइ दे ऊण।।(stain)।। माइ हर इबइसी चउरीइण। जई पिणाम्यारइ
करीयइए।। सा धिमघला कोजुए। घइ कर मेल्हण अधरजुए।।२३।। वेवाधी। दीसतो षी घए।
सविबीनासुप वि विषाषीया पे। इम बडूउ बवसारिष यउए। जगिमान मऊल अति नाणियउ
(stain)।। इम आदर करी अउ गऊए।। मुकलाम्या सवि नरनाऊप। अमरसेन हरषउ घणउए
पटिणानर हइमन आवा वतण उए।।(stain)।। देसराजा स्तनउ अ बइसानेग तावी वउला मउपबे
इण तवमुरुउ राघ्यउ तह तणाउए। सगपणा ते हु साथि इसां घणउए।।२६।। केलिकरइ
ऊं अरघणीए। मनइबा पुरइ आपणीए। परणी जेसा मंरति वीए। ते प्रेमइ प्रिय सिउ एक मनए
(stain)।। मनेरंजइ गुणा दोषइ वामघुनी पदिमघर इलीष वइए। इकरदेनि प्रस्ताव इकरा
मनिरंगि भ्रवइ सुंदरीए।।(stain) स्वामी रिषि तिम्यामइ चवीए। दोहिली किम स्वामी पुरवीए
वन हते तसऊ अइ कहिउए। अखवस वलातपकी लहिउए।।(stain) तेनिसुणीन इवीनव
इए। नउ समर थ विधिसाहेसु हेवइए।। तउजे हवउमरनिका मी इएं। ते हेन उफलस्वाम
पामीयइए।।(stain)।। जध माला ढाला वृलिनी।। इम बो परिकामिनी। कंतकरइ मनि केलि। गीत
गानबऊरा गमुणीजाणइ सरीषइ मेलि।।(stain) सरीषीपरिबऊगु णजाणाइ। नवरइ
रिसुखमाणइ। दोसइ फलचउराइ। जउ समवरिमिलइ समाइ।।२२।। रमिलइसे

७ गाइ सफल ते॥ इक दिन कहइ कुमार। राजन अम्ह बोलिस्यउं। म्यउ आदेस उदार॥ २४॥
अम्ह दिउ आदेस उदार। पाय लागी करजोडु हार। आम्ह वयण घणा दिन रहता। हिव पु
रि जइय इगह गहता॥ २५॥ गहगहता जइय इपुरि। इम संसलि वलि लेस इ। हीयउ तराण
उ विछु परि। पसरणइ सोलउ सइ॥ २६॥ सोलउ सइ कलुपाल। सइ बालइ इमत तकाल।
सुण आपणा मा दे षामी। जास्यउ रागन उपामी॥ २७॥ मन ऊजामी जाइस्यउ। उम्ह उम्ह
रवेग दि आवस्यइ इगेरहि। परि। अम्ह नइ आसा सागलउ। हीस्यगा ढउ देरहि॥ २८॥ ए देहि
अ सागआवरइ रहि वकोजइ जेम कनि लावइ। उम्ह राषा ऊणि परिवार रहि स्यइ बेगुरि आ
पणइवेगि वहिस्य आ॥ २९॥ वेगि इ बहिस इइम कहा। करी स बाइ तामा माहि जइ सासु
घति। ऊ अर करइ प्रमाण॥ ३०॥ करइ प्रणाम जमाई॥ सा च वलउ सं रस्य स समाइ आसी
स ज आपइ सासु। पहिनाषइ नयरी आसु॥ ३१॥ आसु सासु नाषती। बोलइ गुण तं तार।
वली वरहिला आवे ज्यो। करि ज्यो स घली सार॥ ३२॥ सार सीष म विसा ची। वे टीस्यु माइ मवा ७
ची। उ व व मलो पलो ज। मन कवि जेसुं अकाज॥ ३३॥ किसुं अकाज रषकरइ। ज्यो ज्ये कुल
व रति। स्व षि कुउ व उ जइ। तउ रुय घीय सु धीरति॥ ३४॥ उ धीय स्यउ प्रीति मवे म। तु उमन
मीलबेंदे। वलि सामउ व चन मत्तो ष। सा स्वसु सरा मराषे॥ ३५॥ सीष सेन लेरकेठि आ

सिंगा। मा य ता य ऊआरी मिली। स परिवार रहि व ऊ अरचालि उ। चरम रन्न म दम रउ रंगलेई
सेन सुण गेली मुख्ली उ कुमिर जई धारा पुरि पहुता मन उ बाहि। पइसार उ वि स्तरि करि उ। अ
मर सेन नरनाहि॥ ३६॥ चउपाई॥ राज करइ इरिपु परिनिसीम। दिन २ साधइ अधिकी सीम।
पितापुत्र जयवंता बे। उधर इधरम निश्चल मन ते उ॥ ३७॥ वर जय जीवत णउ संहार न वि
ण्णिउ ऊ दवयणउ चार चोरी तणा कदान विकारा। नरविसे वइ परदार विचार॥ ३८॥ विरच इ
रचि सिपरगत हु पार। टालिउ निहणती जन आ हार। सघलइ कीधउ पर उपगार। किसी अवगुण जन
उपरि हार॥ ३९॥ सीष वीय इस थि पर उपगार। न वि अन्याइ तणउ संचार। स कुकी लणइ लउ आस
र। जाणी पाप पुराप सु विचार॥ ४०॥ कोइ लोप इ ऊ ले वट कार। न करइ ऊ कपट रविव हार
न रीय सु रुतत णउ संभार। वा रिमि २ बकुस ह कार॥ ४१॥ राजा न अमन देखि उदार। जे ई
प्रजा मुदित दार। जिम २ बोष इपुन्य प्रकार। तिम २ अधिक २ जय कार॥ ४२॥ श्री जयसे
न ऊ मर पवित्र। जयसेना रमणी संयुत सुष विलसइ मनी लवि लास। पुण्य प्रसाय पुकू चय आ
स॥ ४३॥ तत पात रणी घाट पालषी। वयसार मइस दीते सुषी। वरत इ तंउरसि धरनाम। जलमं
गलिस घलइ अनिराम॥ ४४॥ अट सारूप कोस पसुता विकार इविनो व वरम पूरला वि 10
वम इअ छि गरजेमा दीसरा २ सि धरा इसु डु को वरण॥ ४५॥ उ धरसु ध लाप्र चेम। तपरि

१२

देवालागा दंत । पुरबले व पंषीन्हउ देषि। धरम कर इ श्रजिनि रिसि स्विउ रोष॥ धपा॥ कंथि
नाथ जिणवर उपदेसि। सांसल्न तांसवि हजइ कलेसि। इतिस विने स्वामीनउ रबिं वरयरा
जमिन लेपुज इश्रवि लेव॥ धदरगुराणा॥ वइश्रहि निसिदेवनाकरइसुरधिमनि सत्सेवना
कायाफुलपुल जइ जिनधमीं चिमरपामि इवं वितिझामी धश्रुहाल सुरलिसइ बारमासनी॥
इमनिशासी जन परिहरउ ति। पामीय रगुरुउपदेसुंकि दिषघेराइ हि जाणीय रपाबी
त्यीमइरल्नवलेमर किइम निरसि धपद॥ परिहि उ रलि रिशासो जन हि श्रवगुण। घराउसा
उउपर दाषीइय। जिति वस्वि वत्र रिइलोल। श्रावइ तेह जिपातेइराबीयइ। जयसेनर
देनसहितराउ श्रमरसेन कथाइली सांसली बाहउ राति लो जनी। सुमलिजउहि यमइ
वसी॥ धत्ये॥ एवं वेमो हउ श्रादर उ ए। श्रावक रए श्रा चारकी। श्रनइक वाणि जश्रवग
णउण। षट वेतर श्रबइ श्रपारकि पचु नमो॥ प॰॥ श्रादरउ एवत। सदा यनिश्चल पं
चजमो परि हरउ। गोनिकिन्पामि सयापरीउहि सारिषिरषेल रारउ लवलेसइ कागुरण दोसमेरा १०
इसउ न वियण जाणीयइ। एसगुरु वाणी। लहिय पाणी ना वसुध श्राणीयइ॥ धपा॥ श्रीषर
तर रगछि राजी यउए। श्रीजिनेरसागरसुरिकि। श्रीजिनसुंदरसुरु प नामि हिरलंवि
निधिपुरिकी। श्रीषरतरपारा जारी यउ घरनरगर वं श्री जिन हरषसुरयतीसर। जय

११

वंत श्री जिन चंदसुरि मुखु वधिमोयमगण हरो। सुविवक सिंधुसुजाणवाचकगुसलराइ
सुपसाउलह इप्रवि बाधर्मसमुइ वाचकतणा इमुनिर गिसलइ॥ [?] पुरुष पंचालरसी
मकसाउलाप चमि रजित वरराउ कि। सामीसुमलिसलीवरण उण। सवि हिरसुरतर
उकि। उसूयं चालेसामहरा उण [?] चालसानयनमं फनमेघराजसुनंदनो। तहतण
मानी श्रीसंघश्राषहि। सदामनश्रानंदणो॥ ए चार षच्चउमनस ण इ। जेनरतेणवरणसंदर
वकरीधदेधविनोदउलवेमिधीसंपदतेलही [?]॥ तिवतना
[?]॥ कोषश्रानामरवांचनाश्ररपसुतालव॥ ८॥

11

শ্লোক ৩০০

১১